पाठ योजना विवरण

कक्षा : बी. ए. प्रथम

सत्र : प्रथम (1 सेमेस्टर)

मध्य कालीन काव्य कुञ्ज

आदि काल

काव्य शास्त्र

प्रयोजन मूलक हिंदी

प्रथम सप्ताह :

- कबीरदास जी का साहित्यिक परिचय
- साखी में संकलित दोहों की सप्रसंग व्याख्या
- कबीरदास जी की सामाजिक चेतना
- व्याख्या से सम्बंधित प्रश्न उत्तर का अभ्यास

दूसरा सप्ताह :

- सूरदास जी का साहित्यिक परिचय
- विनय पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या
- बाल लीला पद्यांशो की सप्रसंग व्यख्या
- सूरदास का वात्सल्य वर्णन

तीसरा सप्ताह :

- सूरदास जी का श्रृंगार वर्णन
- भ्रमरगीत सम्बन्धी पद्यांशो की व्याख्या
- व्याख्या सम्बन्धी प्रश्नोत्तर अभ्यास

चौथा सप्ताह :

- तुलसीदास जी का साहित्यिक परिचय

- रामचरित मानस के उत्तरकाण्ड के पद्यांशो की व्याख्या
- रामचरित मानस के बाल काण्ड के पद्यांशो की व्याख्या

पांचवा सप्ताह :

- रामचरित मानस के वनगमन के पद्यांशो की व्याख्या
- विविध भाव चित्र
- पद्यांशो की व्याख्या से संबंधित प्रश्नोत्तर अभ्यास
- तुलसी दास जी की भक्ति भावना

छठा सप्ताह :

- तुलसीदास जी की लोक मंगल की भावना
- मीराबाई जी का साहित्यिक परिचय
- पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्न उत्तर अभ्यास
- मीरा बाई की भक्ति भावना
- मीरा बाई की प्रेम साधना

सातवां सप्ताह :

- कक्षा परिक्षण
- अधिन्यास योजना

आठवां सप्ताह :

- बिहारी जी का साहित्यिक परिचय
- बिहारी के दोहों की सप्रसंग व्याख्या

नौवां सप्ताह :

- प्रशन उत्तर अभ्यास
- बिहारी की श्रृंगार वर्णन
- बिहारी के दोहो में नीति वर्णन
- बिहारी की लोकप्रियता

दसवां सप्ताह :

- घनानंद जी का साहित्यिक परिचय
- पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्न उत्तर अभ्यास
- घनानंद " प्रेम के पीर "
- घनानंद का विरह वर्णन

ग्यारहवां सप्ताह :

- रसखान जी का साहित्यिक परिचय
- पद्यांशो की सप्रसंग व्याख्या
- रसखान जी के काव्य सौन्दर्य का वर्णन
- रसखान जी की अनन्य भक्ति का वर्णन

बारहवां सप्ताह :

- कक्षा परिक्षण
- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन

तेहरवां सप्ताह :

- आदिकाल का नामकरण एवम सीमा निर्धारण
- आदिकाल की परिस्थितियाँ
- पृथ्वी राज रासो की प्रमाणिकता
- रासो काव्य परम्परा का वर्णन

चौदहवाँ सप्ताह :

- काव्य शास्त्र
- काव्य के तत्व
- रस के अंग , सभी रसो का वर्णन

पंद्रह सप्ताह :

- काव्य के गुण
- शब्द शक्तियां
- अलंकार
- अनुवाद परिभाषा, स्वरुप एंव प्रक्रिया

सोलहवां सप्ताह :

- कार्यालयी हिंदी
- भाषाई क्षमता का विकास
- औपचारिक एंव अनौपचारिक पत्र लेखन अभ्यास
- पुनः वृति

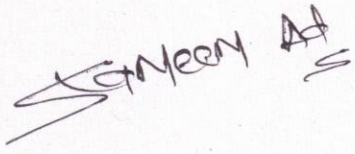

पाठ योजना विवरण

कक्षा : बी. ए. द्वितीय

सत्र : तृतीय सेमेस्टर

खण्ड - क आधुनिक हिंदी कविता

खण्ड - ख हिंदी साहित्य का रीतिकाल

खण्ड - ग प्रयोजन मूलक हिंदी

प्रथम सप्ताह :

- अयोध्या सिंह उपाध्याय " हरिऔध " जीवन परिचय
- "पवनदूती" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- महत्वपूर्ण प्रश्न - अभ्यास

दूसरा सप्ताह :

- मैथिली शरण गुप्त का जीवन परिचय
- "जयद्रथ वध" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- महत्वपूर्ण प्रश्न - अभ्यास
- " भारत भारती " कविता की सप्रसंग व्याख्या

तीसरा सप्ताह :

- भारत भारती कविता के महत्वपूर्ण प्रश्न - अभ्यास
- " सन्देश यंहा मैं नही स्वर्ग का लाया" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्न - अभ्यास
- दोहराई

चौथा सप्ताह :

- जय शंकर प्रसाद कवि परिचय
- "आनंद सर्ग" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास

पांचवा सप्ताह :

- प्रसाद जी की " आंसू " कविता की सप्रसंग व्याख्या
- परीक्षा उपयोगी प्रश्नों का अभ्यास
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कवि परिचय

छठा सप्ताह :

- निराला जी की " विधवा " कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- "बादल राग" कविता की व्याख्या
- कविता पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास

सातवां सप्ताह :

- निराला जी की " जागो फिर एक बार " कविता की सप्रसंग व्याख्या
- " वह तोड़ती पत्थर" कविता की व्याख्या
- कविताओं पर आधारित महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- कक्षा परीक्षण

आठवां सप्ताह : खण्ड ख

- हिंदी साहित्य का रीति काल
- रीतिकालीन साहित्य का परिचय
- रीतिकालीन कविता की पृष्ठ भूमि
- रीतिकालीन नामकरण एवम सीमा निर्धारण

नौवां सप्ताह :

- रीतिकालीन साहित्य की प्रवृतियाँ
- रतिकालीन साहित्य की परिस्तिथियाँ
- रीतिकालीन प्रमुख धराये रीति मुक्त , रीति बद्ध, रीति सिद्ध

दसवां सप्ताह :

- महादेवी वर्मा कवयित्री परिचय

- "कह दे मा क्या अब देखूं" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- "कौन तुम मेरे ह्रदय में" कविता की सप्रसंग व्याख्या

ग्यारहवा सप्ताह :

- महादेवी जी की "दुःख की बदली" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "वे मुस्काते फूल नही" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- रामधारी सिंह दिनकर कवि परिचय

बारह सप्ताह :

- दिनकर जी की " कुरुक्षेत्र" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- परीक्षा उपयोगी प्रश्नों का अभ्यास
- कक्षा परिक्षण

तेहरा सप्ताह : *खण्ड ग (प्रयोजन मूलक हिन्दी)*

- हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद |
- कम्प्यूटर : स्वरुप और महत्व
- ई मेल : परिचय
- इन्टरनेट : स्वरुप और उपयोगिता

चौदहवा सप्ताह :

- मशीनी अनुवाद, परिभाषा और स्वरुप |
- भारत भूषण अग्रवाल कवि परिचय |
- "आने वालो से एक सवाल" शीर्षक कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- "दूंगा मैं" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता के प्रश्नों का अभ्यास

पन्द्रहवा सप्ताह :

- "फूल के बोल" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नों उत्तर अभ्यास
- कक्षा परिक्षण

सोलहवां सप्ताह :

- संचार माध्यम, समाचार पत्र का साहित्यिक परिचय
- दूरदर्शन आदि का भाषाई एंव साहित्यिक स्वरुप
- फीचर परिभाषा, स्वरुप और विशेषताएं
- विज्ञापन की अवधारणा एंव भाषा
- **पुनः वृति**

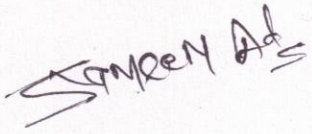

पाठ योजना विवरण

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष

सत्र : पंचम सेमेस्टर

प्रथम सप्ताह : खण्ड (क) समकालीन हिंदी कविता

- अज्ञये जी का जीवन परिचय और साहित्यिक विशेषताओ पर प्रकाश
- "हमारा देश" कविता सप्रसंग व्याख्या
- प्रशनो -उत्तर अभ्यास
- "नदी का द्वीप" शीर्षक कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविता के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास

दूसरा सप्ताह :

- "कितनी नावो में कितनी बार" कविता की सप्रंग व्याख्या
- प्रश्नों उत्तर अभ्यास
- "नाँच" कविता की सप्रसंग व्याख्या और विशेषता
- "नाँच" कविता कए आधार पर नाच देखने वालों की मानसिक दशा का निरूपण कीजिए |

तीसरा सप्ताह :

- "यह द्वीप अकेला" कविता की सप्रंसग व्याख्या और विशेषता
- कविता के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- "सूनी-सी सांझ एक" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "सांप" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविताओं के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास

चौथा सप्ताह :

- "उडचल हरिल" शीर्षक कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "उडचल हरिल" शीर्षक कविता में कवि ने क्या सन्देश दिया है |
- धर्मवीर भारती का जीवन परिचय और उनकी साहित्यिक विशेषताएँ बताओ |
- "रथ का टूटा पहिया" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "रथ का टूटा पहिया" कविता में कवि ने समाज को क्या सन्देश दिया है ?
- "फागुन की शाम" कविता की सप्रसंग व्याख्या

पांचवा सप्ताह :

- "फूल, मोमबत्तियाँ और सपने" कविता की सप्रसंग व्याख्या और प्रनोत्तर अभ्यास |
- "बोआई का गीत" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "गुलाम बनाने वाले" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविताओं के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास |
- "थके हुए कलाकार से" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "विप्रलब्धा" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविताओं के महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास |

छठा सप्ताह :

- "मन्त्र -गंध और भाषा" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "अरण्यानी से वापसी" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- कविताओं के महत्पूर्ण प्रश्नों का अभ्यास
- नागार्जुन जी का साहित्यिक परिचय
- "उनको प्रणाम" शीर्षक कविता की सप्रसंग व्याख्या |
- प्रशनोत्तर अभ्यास |

सातवां सप्ताह :

- "सिंदूर तिलकित भाल" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "बादल को घिरते देखा है" कविता की सप्रसंग व्याख्या
- "बादल को घिरते देखा है" कविता मे बादल को किस ऋतु में घिरते देखा है,
- चकवा चकवी के प्रसंग द्वारा कवी का क्या आशय है आदि महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास |
- "अकाल और उसके बाद" कविता की विशेषताओं सहित व्याख्या |

आठवां सप्ताह :

- "अकाल और उसके बाद" की भयावह और त्रासदीपूर्ण स्तिथि का यथार्थ चित्रण |
- "प्रेत का बयान" कविता की सप्रसंग व्याख्या |
- "प्रेत का बयान" कविता में चित्रित समस्या व उसका उदेश्य स्पष्ट करें |
- रघुवीर सहाय का जीवन परिचय और साहित्यिक विशेषताएं |
- "लोकतंत्र का संकट" शीर्षक कविता सप्रसंग व्याख्या |

नौवां सप्ताह

- "चिट्ठियाँ" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- "भाषा का युद्ध" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |

- "रामदास" एंव " कोई एक और मतदाता" कविता की सप्रसंग व्याख्या |
- " काला नंगा बच्चा पैदल" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- " आत्म हत्या" के विरुद्ध कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |

दसवां सप्ताह :

- कुंवर नारायण कवि का साहित्यिक परिचय |
- "चक्रव्यूह" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- "एक जले हुए मकान के सामने" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- " जब आदमी आदमी नही रह पाता" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- लीलाधर जगूड़ी कवि का साहित्यिक परिचय |

ग्यारहवां सप्ताह :

- "वृक्ष - हत्या" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- "परिवार की खाड़ी में" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- "स्वतंत्र जुबान" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- "ईश्वर और आदमी की बातचीत" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- " जो ठोकर खाते है" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |
- "बहुत से पत्थर पड़े है" कविता की सप्रसंग व्याख्या एंव प्रश्नोत्तर अभ्यास |

खण्ड - (ख) हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

बारहवां सप्ताह :

- आधुनिक हिंदी कविता का क्रमिक विकास
- आधुनिक हिंदी साहित्य की परिस्थितियां
- भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृतियाँ
- द्विवेदी युगीन हिंदी कविता की प्रवृतियाँ
- छायावाद कविता का स्वरुप एंव परिचय

तेहरवां सप्ताह :

- प्रगतिवाद कविता का स्वरुप एंव परिचय
- प्रयोगवाद कविता का परिचय एंव स्वरुप |
- समकालीन कविता का परिचय |
- नयी कविता का परिचय एंव स्वरुप |

खण्ड - (ग) प्रयोजन मूलक हिंदी: पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

चौदहवां सप्ताह :

- पत्र लेखन स्वरुप और उनके विविध भेद |
- संक्षेपण
- पल्लवन
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाए

पन्द्रहवां सप्ताह :

- द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा की संकल्पना
- मात् भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन क लिए भाषा शिक्षण

सोलहवां सप्ताह :

पुन: वृत्ति

पाठ योजना विवरण

कक्षा : बी. ए. प्रथम (द्वितीय सेमेस्टर)

सत्र : 2023 - 2024

पाठयक्रम में निर्धारित पुस्तक :-

1. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद
2. हिंदी साहित्य का भक्तिकाल
3. व्यावहारिक हिंदी

पहला सप्ताह : -

- नाटक की परिभाषा, तत्व
- नाटक के भेद - उपभेद , विकास क्रम,
- जयशंकर प्रसाद - लेखक परिचय

दूसरा सप्ताह :-

- ध्रुवस्वामिनी नाटक का सार
- ध्रुवस्वामिनी नाटक के पहले अंक की व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास

तीसरा सप्ताह :-

- ध्रुवस्वामिनी नाटक के दूसरे अंक की व्याख्या
- नाटक के गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या के लेखन का अभ्यास

चौथा सप्ताह :-

- ध्रुवस्वामिनी नाटक के तीसरे अंक की व्याख्या
- नाटक के गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या के लेखन का अभ्यास
- प्रश्नोत्तर अभ्यास

पांचवा सप्ताह :-

- हिंदी साहित्य के भक्ति काल का परिचय
- भक्तिकाल स्वर्ण युग
- कक्षा परीक्षण
- अष्टछाप का स्वरुप एंव महत्व

छठा सप्ताह :-

- भक्तिकाल की परिस्तिथियाँ
- भक्तिकाल की राजनैतिक परिस्तिथि
- भक्तिकाल की सामाजिक परिस्तिथि
- भक्तिकाल की आर्थिक परिस्तिथि
- भक्तिकाल के साहित्य की परिस्तिथि

सातवाँ सप्ताह :-

- सगुण भक्तिकाल का परिचय
- निर्गुण भक्ति काल का परिचय

आठवां सप्ताह :-

- राम काव्य परम्परा की प्रवृतियाँ
- कृष्ण काव्य परंपरा की प्रवृतियाँ
- संत काव्य परंपरा की प्रवृतियाँ
- सूफी काव्य परंपरा की प्रवृतियाँ

नौवां सप्ताह :-

- व्यावहारिक हिंदी भाषा का परिचय
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप
- हिंदी भाषा के विकास का परिचय
- भाषा और साहित्य का संबंध

दसवां सप्ताह :-

- भाषा के विविध रूप: बोली, मानक भाषा, बोली और भाषा में अंतर
- राजभाषा और राष्ट्र भाषा का परिचय
- राजभाषा और राष्ट्र भाषा में अंतर

ग्यारह सप्ताह :-

- हिंदी वर्ण माला
- स्वर - व्यंजन का परिचय
- हिंदी वर्तनी की समस्या
- कक्षा परीक्षण

बारह सप्ताह :-

- मुहावरे और लोकोक्तियाँ
- नाटक के प्रश्नोत्तर का अभ्यास
- ध्रुवस्वामिनी का चरित्र चित्रण
- चन्द्रगुप्त का चरित्र चित्रण

तेहरा सप्ताह :-

- राम गुप्त का चरित्र चित्रण
- मन्दाकिनी का चरित्र चित्रण
- कोमा का चरित्र चित्रण
- शकराज का चरित्र चित्रण

चौदह सप्ताह :-

- शिखर स्वामी का चरित्र चित्रण
- नाटक का उद्देश्य
- नाटक की एतिहासिकता
- कक्षा परीक्षण

पंद्रह सप्ताह :-

- नाटक के लघु और अतिलघु प्रश्नों का अभ्यास
- दोहराई
- प्रतीक अर्थ, स्वरुप एंव उदाहरण
- बिम्ब अर्थ, स्वरुप एंव उदाहरण
- मिथक अर्थ, स्वरुप एंव उदाहरण
- फैंटसी अर्थ, स्वरुप एंव उदाहरण

सोलह सप्ताह :-

- परीक्षा की तैयारी

साप्ताहिक पाठ योजना विवरण

विषय : हिंदी

कक्षा : बी. ए. II (चतुर्थ सेमेस्टर)

सत्र : 2023 - 2024

प्रथम सप्ताह :- कथा क्रम

- प्रेम चंद का जीवन परिचय
- कहानी : ईदगाह
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- जयशंकर प्रसाद जीवन परिचय

दूसरा सप्ताह : - कथा क्रम

- कहानी : पुरस्कार
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- लेखक जीवन परिचय : अज्ञय
- कहानी : गैंग्रीन
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास

तीसरा सप्ताह :-

- लेखक परिचय : मोहन राकेश
- कहानी : मलबे का मालिक
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- लेखक परिचय : फणीशवर नाथ रेणु

चौथा सप्ताह :-

- कहानी : ठेस
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- मैत्रेयी पुष्पा : लेखक परिचय
- कहानी : फैसला
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास

पांचवा सप्ताह :-

- ओमप्रकाश वाल्मीकि : लेखक परिचय
- कहानी : पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- कहानी की सप्रसंग व्याख्या
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

छठा सप्ताह :-

- आधुनिक काल की परिस्थितियां
- हिंदी उपन्यास : उदभव और विकास
- हिंदी कहानी : उदभव और विकास

सातवां सप्ताह :-

- हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
- अन्य महत्व पूर्ण प्रश्न
- हिंदी निबंध : उद्भव और विकास
- अन्य महत्व पूर्ण प्रश्न

आठंवा सप्ताह : -

- पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ,स्वरुप और परिभाषा
- पारिभाषिक शब्दावली का महत्व
- पारिभाषिक शब्दावली के गुण
- पारिभाषिक शब्दावली की आवशयकता

नौवा सप्ताह : -

- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय
- राष्ट्रीयतावादी सम्प्रदाय
- अंतर्राष्ट्रीयतावादी सम्प्रदाय
- समन्यवादी सम्प्रदाय

दसवां सप्ताह :

- हिंदी निबंध : उद्भव और विकास
- अन्य महत्व पूर्ण प्रश्न
- साप्ताहिक परीक्षण
- दोहराई

ग्यारह सप्ताह :-

- पारिभाषिक शब्दावली के वर्गीकरण
- पारिभाषिक शब्दावली (शब्द कोष)
- प्रश्नोत्तर अभ्यास

बारह सप्ताह :-

- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल की दोहराई
- आधुनिक काल की राजनैतिक परिस्थितियां
- आधुनिक काल की धार्मिक परिस्थितियां
- आधुनिक काल की साहित्यिक परिस्थितियां

तेहरा सप्ताह :-

- व्यावहारिक हिंदी का ज्ञान
- आलोचना : प्रमुख आलोचक - रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी , डॉ. नगेन्द्र
- आलोचक के गुण एंव दोष
- नवीन/ गद्य विधा की उत्पत्ति, अर्थ, स्वरुप परिभाषा

चौदह सप्ताह :-

- पारिभाषिक शब्दावली का महत्व
- पारिभाषिक शब्दावली के गुण
- पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता
- रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरुप, परिभाषा एंव विशेषताएँ

पंद्रह सप्ताह :-

- रेखाचित्र: अर्थ, स्वरुप, परिभाषा एंव विशेषताएँ
- साक्षात्कार : अर्थ, स्वरुप, परिभाषा एंव विशेषताएँ
- डायरी लेखन : अर्थ, स्वरुप, परिभाषा एंव विशेषताएँ
- अंतर्राष्ट्रीयतावादी समन्वयवादी (25 शब्द) अंग्रेजी से हिंदी

सोलह सप्ताह :-

- हिंदी का मौखिक साहित्य
- मौखिक साहित्य व लिखित साहित्य का संबंध

परीक्षा की तैयारी का अभ्यास

पाठ योजना विवरण

Sanjeev Ads

पाठ योजना विवरण

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष VI सेम

विषय : हिंदी

सत्र : 2023 - 2024

पहला सप्ताह :-

- बाल मुकुंद गुप्त - साहित्यिक परिचय
- "आशा का अंत" निबंध का सार
- आशा का अंत की भाषा शैली पर प्रकाश
- लार्ड कर्जन के दोबारा शासक बनकर आने के पूर्व भारतीयों की क्या आशाएं थीं उनका अंत क्यों हो गया था ?
- "आशा का अंत" निबंध के आधार पर 20 वी सदी के प्रारम्भ में भारतीयों की दशा कैसी थी

दूसरा सप्ताह :-

- लेखक ने "आशा" नामक भाव की क्या विशेषता बताई है
- अति लघु प्रश्नों पर चर्चा
- दोहराई
- आचार्य राम चन्द्र शुक्ल - साहित्यिक परिचय
- "उत्साह " निबंध का सार

तीसरा सप्ताह :-

- उत्साह निबंध की भाषा शैली पर चर्चा
- लेखक ने कर्म वीर और बुद्धि वीर के बारे में क्या विचार व्यक्त किये है
- रामचंद्र शुक्ल की निबंध - कला पर प्रकाश
- प्रश्नोत्तर अभ्यास

चौथा सप्ताह :-

- महादेवी वर्मा - साहित्यिक परिचय
- "गिल्लू " संस्मरण का सार
- "गिल्लू " संस्मरण की भाषा शैली पर विचार

- अन्य प्रश्नोत्तर अभ्यास
- दोहराई

पांचवा सप्ताह :-

- हजारी प्रसाद द्विवेदी - साहित्यिक परिचय
- "देवदारू" निबंध का सार
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- दोहराई

छठा सप्ताह :-

- आचार्य हजारी प्रसाद के निबंधों की तात्विक समीक्षा
- देवदारु के माध्यम से दविवेदी जी पाठक को क्या सन्देश देना हैं
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- दोहराई
- विद्या निवास मिश्र - साहित्यिक परिचय

सांतवा सप्ताह :-

- "मेरे राम का मुकुट भीग रहा है" ललित निबंध का सार
- "मुकुट भीगने" का प्रतीकार्थ क्या है
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- विद्या निवास मिश्र के निबंध की भाषा और शैली
- टेस्ट

आठवां सप्ताह :-

- हरिशंकर परसाई - साहित्यिक परिचय
- "सदाचर का ताबीज" का सार
- प्रश्नोत्तर अभ्यास
- दोहराई
- हरिशंकर परसाई की व्यंग्य कला पर प्रकाश

नौवां सप्ताह :-

- विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार को किस प्रकार परिभाषित किया तथा उनके उन्मूलन का क्या उपाय बताया
- "सदाचर का ताबीज" व्यंग्य लेख का उद्धेश्य

- अति लघु प्रश्नों पर चर्चा

दसवां सप्ताह :-

- दोहराई
- राहुल साकृत्यायन - साहित्यिक परिचय
- "तिब्बत के पथ पर" का सार
- राहुल साकृत्यायन की यात्रा वृतांत कला पर प्रकाश
- राहुल साकृत्यायन की भाषा शैली

ग्यारह सप्ताह :-

- तिब्बत के पथ पर वृतांत के आधार पर लेखक के प्रकृति चित्रण पर प्रकाश
- याल्मों लोग कौन है ? लेखक ने उनकी क्या सांस्कृतिक विशेषता बताई है
- दोहराई
- टेस्ट

बारह सप्ताह :-

- हरियाणवी भाषा का उद्भव
- हरियाणवी भाषा का विकास
- हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ
- हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य
- दोहराई

तेरह सप्ताह :-

- हरियाणा की सांग परम्परा का उद्भव
- हरियाणा की सांग परम्परा का विकास
- हरियाणवी कविता का परिचय
- हरियाणवी कविता - प्रवृतियाँ
- हरियाणवी साहित्य : उपन्यास और कहानी

चौदह सप्ताह :-

- नाट्य साहित्य
- हरियाणवी भाषा का नामकरण
- हरियाणवी भाषा की प्रमुख विशेषता
- सांग एक अद्भुत कला

पंद्रह सप्ताह :-

- सांग सम्राट लख्मी चंद का परिचय
- प्रयोजन मूलक हिंदी, पत्रकारिता एंव भाषा मिश्रण
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं -
- भाषा कौशल - श्रवण, भाषण, वाचन लेखन
- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
- साक्षात्कार : अर्थ एंव स्वरुप

सोलह सप्ताह :-

- पत्रकारिता का स्वरुप , पत्रकारिता का प्रकार
- शीर्षक की सरंचना
- संपादक के गुण
- फीचर लेखन